

# CURRENT AFFAIRS

## NEWS FOR

## UPSC

## UPSC, IAS/PCS

## State Exam

## All Exam

**ABHAY Sir**

**29 Jan. 2025**



**BREAKING  
NEWS**



- ❖ **Topic 1:-** अंतर्राष्ट्रीय सीओ2 उत्सर्जन न्यूनीकरण दिवस
- ❖ **Topic 2:-** भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ (2025)
- ❖ **Topic 3:-** पीएम श्री योजना (PM Schools for Rising India)
- ❖ **Topic 4:-** विक्टोरिया झील (Lake Victoria)
- ❖ **Topic 5:-** नैनो यूरिया



# International Reducing CO<sub>2</sub> Emissions Day

अंतर्राष्ट्रीय सीओ<sub>2</sub> उत्सर्जन न्यूनीकरण दिवस



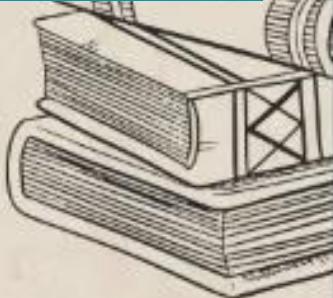
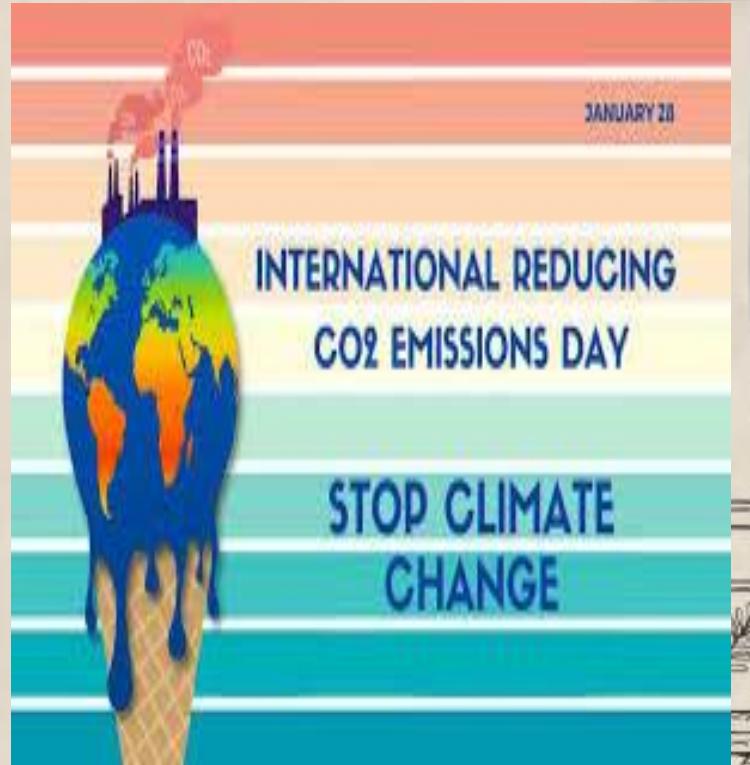
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय सीओ2 उत्सर्जन न्यूनीकरण दिवस प्रत्येक वर्ष 28 जनवरी को मनाया जाता है।

### **1. उद्देश्य:**

- ❖ यह दिन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता पर जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

### **2. महत्व:**

- ❖ कार्बन डाइऑक्साइड के बढ़ते स्तर से चरम मौसम, समुद्र स्तर वृद्धि, सूखा, और पर्यावरणीय संकट जैसे प्रभाव सामने आ रहे हैं।

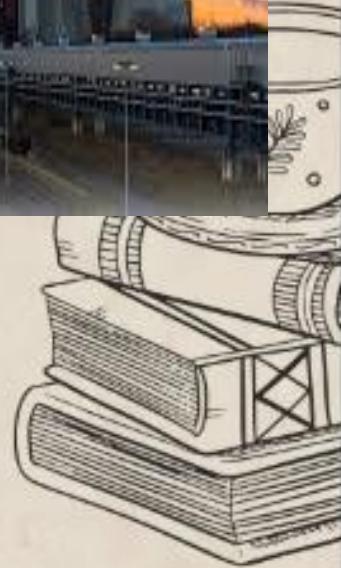


### 3. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- ❖ **1856:** यूनिस न्यूटन फूटे ने गैसों के वायुमंडलीय प्रभाव पर शोध किया।
- ❖ **1896:** स्वान्ते अरहेनियस ने ग्लोबल वार्मिंग की भविष्यवाणी की।
- ❖ **1938:** गाइ कैलेंडर ने सीओ<sub>2</sub> उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंध स्थापित किया।

### 4. महत्वपूर्ण समझौते:

- ❖ **क्योटो प्रोटोकॉल (1997):** औद्योगिक देशों को ग्रीनहाउस गैसों को कम करने के लिए प्रेरित किया।
- ❖ **पेरिस समझौता (2015):** 196 देशों ने जलवायु तटस्थिता का लक्ष्य अपनाया।



## 5. जागरूकता और व्यक्तिगत योगदान:

- ❖ टिकाऊ जीवनशैली अपनाना।
- ❖ कार्बन फुटप्रिट कम करने के प्रयास।
- ❖ जीवाश्म ईंधन की जगह नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग।

## 6. भविष्य की दृष्टि:

- ❖ हाइड्रोजन ऊर्जा और अन्य स्वच्छ तकनीकों का उपयोग।
- ❖ एक स्वस्थ और न्यायसंगत विश्व का निर्माण।





भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं  
वर्षगांठ (2025)

❖ प्रमुख बिदु :-

❖ हालिया घटनाक्रम

1. भारतीय विदेश सचिव ने चीन की यात्रा की और चीन के विदेश सचिव से मुलाकात की।
2. लोक कूटनीतिक प्रयासों और विविध स्मरणीय गतिविधियों पर सहमति।
3. 2025 की गर्मियों में कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू करने की घोषणा।
4. सीमा-पार नदियों के जलविज्ञान डेटा के आदान-प्रदान और सहयोग की पुनः शुरुआत।



5. सीधी हवाई सेवाएं पुनः शुरू करने पर सहमति ।

6. लोगों के बीच संपर्क, मीडिया संवाद, और थिक टैंक वार्ताओं को बढ़ावा देने की सहमति ।

### ❖ प्रमुख चिताएं

#### 1. सीमा विवाद:

- ❖ वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर आपसी समझौते का अभाव ।
- ❖ अक्साई चिन विवाद ।



## 2. हिसक झड़पें:

- ❖ गलवान घाटी (2020), तवांग (2022) जैसी घटनाएं।

## 3. व्यापार असंतुलन:

- ❖ भारत-चीन व्यापार घाटा 2023-24 में 85 बिलियन अमेरिकी डॉलर।

## 4. चीन-पाकिस्तान गठजोड़:

- ❖ CPEC पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) से गुजरता है।



❖ आगे की राह

**1. सीमा विवाद समाधान:**

❖ देपसांग और डेमचोक जैसे क्षेत्रों पर हालिया समझौतों के माध्यम से समाधान।

**2. राजनयिक जुड़ाव:**

❖ BRICS, SCO जैसे मंचों पर संचार के खुले चैनल बनाए रखना।

**3. सामरिक सहयोग:**

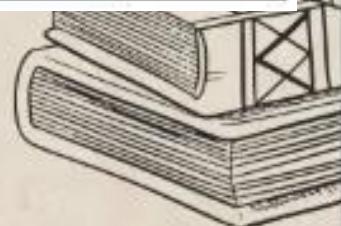
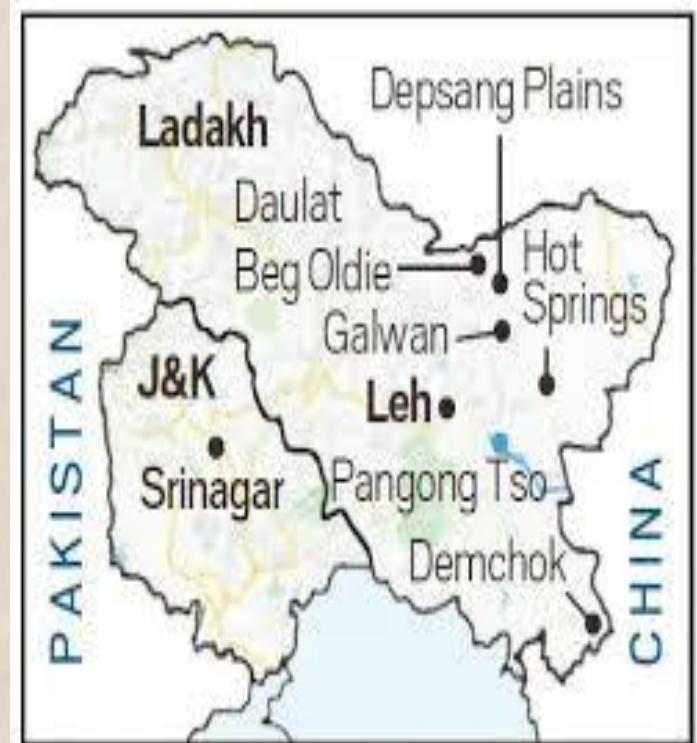
❖ जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग।

**4. आर्थिक संतुलन:**

❖ व्यापार घटा कम करने के लिए आर्थिक नीतियों में सुधार।

**5. सामरिक सतर्कता:**

❖ चीन की आक्रामक रणनीतियों के खिलाफ सामरिक तैयारी और अंतरराष्ट्रीय समर्थन।

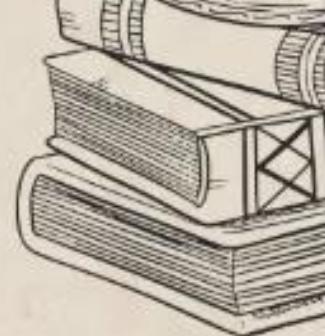


❖ **भारत-चीन संबंध-** भारत और चीन एशिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और विश्व के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश हैं। इनके संबंध इतिहास, राजनीति, व्यापार, सीमा विवाद और कूटनीति के जटिल मिश्रण से प्रभावित रहे हैं।

**1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-** भारत और चीन के बीच प्राचीन काल से सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंध रहे हैं, जिनमें सिल्क रुट और बौद्ध धर्म का प्रसार महत्वपूर्ण हैं। 1950 में भारत ने चीन की पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (PRC) को मान्यता दी और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए। 1954 में "पंचशील सिद्धांत" को अपनाया गया, जो शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर आधारित था।

## 2. प्रमुख मुद्दे और विवाद

**(A) सीमा विवाद-** भारत और चीन के बीच लगभग 3,488 किमी लंबी सीमा है, जिसमें मुख्य विवादित क्षेत्र हैं: अक्साई चिन (लद्धाख): चीन इसे अपना हिस्सा मानता है, लेकिन भारत इसे जम्मू-कश्मीर का भाग मानता है। अरुणाचल प्रदेश: चीन इसे "दक्षिणी तिब्बत" बताता है, जबकि भारत इसे अपना राज्य मानता है।



**(B) 1962 का भारत-चीन युद्ध-** चीन ने अक्साई चिन पर नियंत्रण के लिए हमला किया और 1962 के युद्ध में भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने रहे।

**(C) अन्य झड़पें और संघर्ष 1967 -** नाथू ला और चो ला संघर्ष: भारत की जीत हुई। 1987 - अरुणाचल प्रदेश विवाद: टकराव के बावजूद युद्ध नहीं हुआ। 2017 - डोकलाम विवाद: भारतीय सेना ने भूटान के डोकलाम क्षेत्र में चीनी सेना की सड़क निर्माण योजना को रोका। 2020 - गलवान घाटी संघर्ष: लद्दाख में भारत-चीन सैनिकों के बीच हिस्क झड़प हुई, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए। इसके बाद सीमा पर तनाव बढ़ गया।

**3. आर्थिक और व्यापारिक संबंध व्यापार:** भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हैं। 2022 में द्विपक्षीय व्यापार 135 अरब डॉलर से अधिक था, लेकिन व्यापार घाटा भारत के पक्ष में नहीं है। **चीनी निवेश:** चीन भारत के टेक और स्टार्टअप सेक्टर में बड़ा निवेशक रहा है (जैसे- अलीबाबा, टिक-टॉक, शाओमी)। **भारत की नीतियां:** गलवान संघर्ष के बाद भारत ने कई चीनी ऐप्स (TikTok, WeChat, PUBG आदि) पर प्रतिबंध लगा दिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत चीनी निवेश को सीमित किया।



4. कूटनीतिक और भू-राजनीतिक संबंधभारत QUAD (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) का हिस्सा है, जिसे चीन अपने खिलाफ मानता है। चीन पाकिस्तान का समर्थन करता है और CPEC (चीन-पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर) चला रहा है, जो भारत की संप्रभुता के लिए चुनौती है। ब्रिक्स (BRICS) और शंघाई सहयोग संगठन (SCO) में भारत और चीन एक साथ हैं, लेकिन संबंध तनावपूर्ण रहते हैं।

- ❖ भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध 1990 के दशक से लगातार बढ़े हैं। हालाँकि, दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा (Trade Deficit) भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।
- ❖ **1. द्विपक्षीय व्यापार का आंकड़ा**
- ❖ 2022 में भारत-चीन का कुल व्यापार 135.98 अरब डॉलर था।
- ❖ भारत का निर्यात: लगभग 17 अरब डॉलर (मुख्यतः लौह अयस्क, कपास, केमिकल्स)।
- ❖ भारत का आयात: लगभग 118 अरब डॉलर (मुख्यतः इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, केमिकल्स, औषधियां, स्टील, प्लास्टिक)।
- ❖ व्यापार घाटा: लगभग 101 अरब डॉलर (भारत अधिक आयात करता है, कम निर्यात करता है)।





पीएम श्री योजना  
(PM Schools for Rising India)

## ❖ परिचय

❖ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 के अनुरूप विकसित की गई।

❖ **नोडल मंत्रालय:** शिक्षा मंत्रालय।

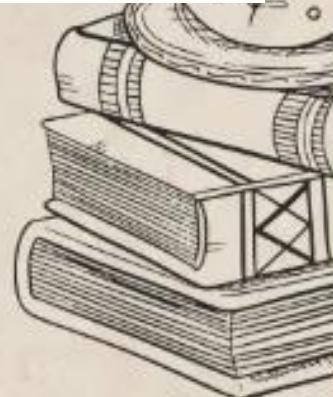
❖ **प्रारंभ:** वर्ष 2022 में शुरू की गई।

❖ **अवधि:** 2022-23 से 2026-27 (5 वर्ष)।

## ❖ उद्देश्य

❖ केंद्र, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकार और स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित 14,500 से अधिक पीएम श्री स्कूलों का विकास।

❖ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरणादायक और समावेशी मॉडल स्कूलों का निर्माण।



❖ वित्त-पोषण का पैटर्न

- ❖ सामान्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों: केंद्र और राज्य के बीच 60:40 अनुपात।
- ❖ पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों, जम्मू-कश्मीर: केंद्र और राज्य के बीच 90:10 अनुपात।
- ❖ विधान सभा रहित केंद्र शासित प्रदेशों: 100% केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषण।

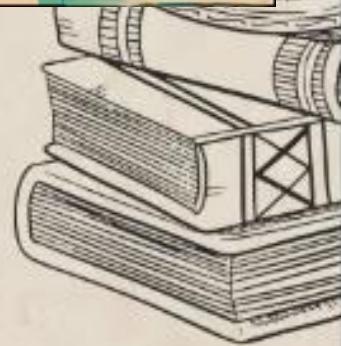
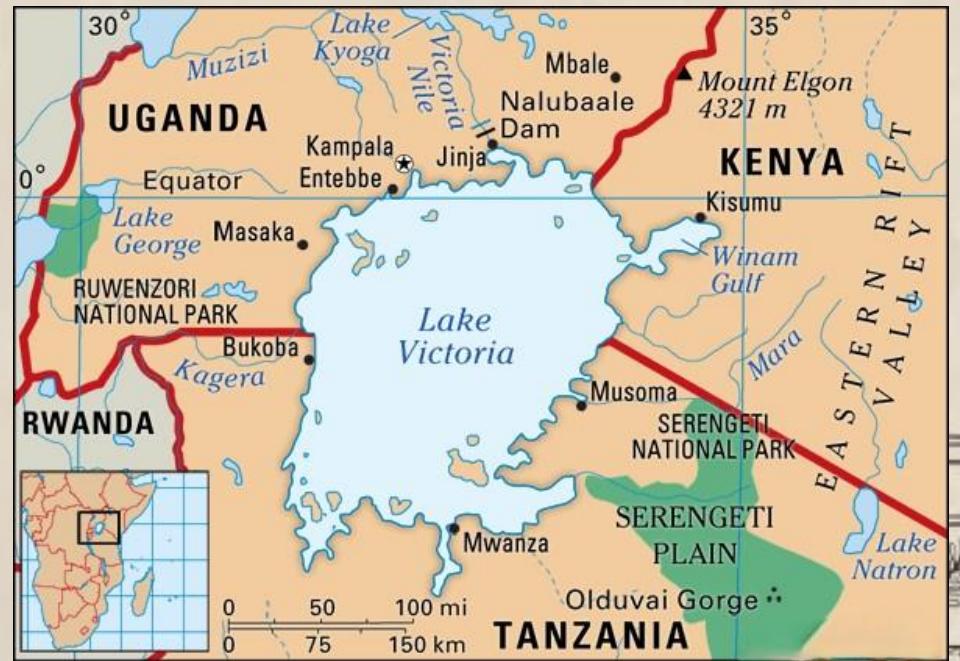
❖ प्रमुख बिंदु

- ❖ यह योजना छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा डिजिटल और समग्र विकास पर केंद्रित है।
- ❖ हाल ही में, पांच राज्यों (मणिपुर, लिपुरा, राजस्थान, नवालपथ, नव्य प्रदेश) ने पाएं आ स्कूलों में 76% नामांकन वृद्धि देखी गई।



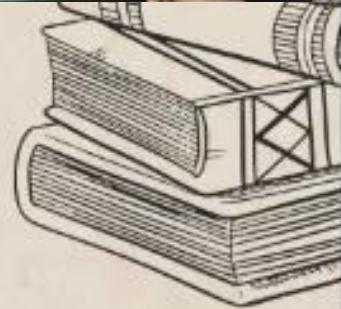
# विक्टोरिया झील (Lake Victoria)

- ❖ यह ताजे जल की विश्व की दूसरी सबसे बड़ी झील है।
- ❖ अफ्रीका की सबसे बड़ी झील है।
- ❖ इसके साथ सीमा साझा करने वाले देश हैं: तंजानिया, युगांडा, और केन्या।



## ❖ सायनोबैक्टीरिया (Cyanobacteria)

- ❖ सायनोबैक्टीरिया या नील हरित शैवाल प्रकाश संश्लेषण करने वाले सूक्ष्मजीव हैं।
- ❖ ये जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में पाए जाते हैं और नाइट्रोजन उर्वरक प्रदान करने में सहायक होते हैं।
- ❖ आर्कियन और प्रोटेरोज़ोइक युग में ऑक्सीजन-युक्त वायुमंडल के निर्माण में इनकी भूमिका थी।
- ❖ ये कभी-कभी विषाक्त शैवाल प्रस्फुटन (Toxic blooms) का कारण बन सकते हैं, जो जल की गुणवत्ता को प्रभावित करता है और पारिस्थितिक तंत्र को बाधित करता है।



# नैनो यूरिया क्या होता है ?



Introduced

world's First  
**Nano**  
urea



नैनो यूरिया

❖ नैनो यूरिया एक उन्नत कृषि उर्वरक है, जिसे इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोऑपरेटिव (IFFCO) ने विकसित किया है।

❖ यह नैनो प्रौद्योगिकी पर आधारित है और पौधों की नाइट्रोजन आवश्यकता को पूरा करता है।

❖ नैनो यूरिया के मुख्य बिंदु:

1. संगठन: IFFCO द्वारा विकसित।
2. संरचना: इसमें 4% नाइट्रोजन होता है।
3. कणों का आकार: 20-50 नैनोमीटर।



#### 4. विशेषता:

- ❖ पारंपरिक यूरिया की तुलना में अधिक सतह क्षेत्र और कणों की संख्या।
- ❖ पौधों में पोषक तत्वों का उच्च दक्षता से अवशोषण।

#### 5. पर्यावरण लाभ:

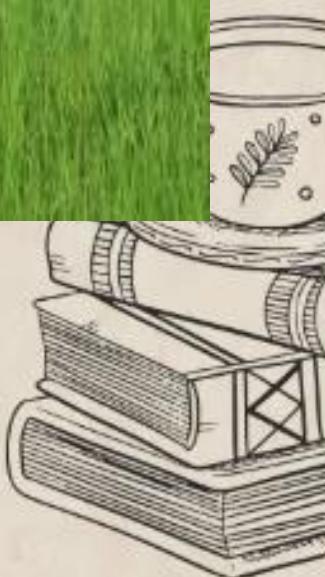
- ❖ जल और गैस के रूप में उर्वरक के रिसाव को कम करता है।
- ❖ पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है।

#### 6. अन्य लाभ:

- ❖ सुरक्षित भंडारण और आसान परिवहन।

#### ❖ हालिया अध्ययन के निष्कर्ष:

- ❖ नैनो यूरिया का निरंतर उपयोग चावल और गेहूं की पैदावार में कमी ला सकता है।



# THANK YOU



@resultmitra / 8650457000



@resultmitra



@resultmitra



+ SUBSCRIBE

